

 सत्यमेव जयते	राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
	साअधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	आश्विन 19, शुक्रवार, शके 1941-अक्टूबर 11, 2019 Asvina 19, Friday, Saka 1941-October 11, 2019	

भाग 6 (क)

नगरपालिकाओं संबंधी विज्ञप्तियां आदि।

राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान

आदेश

जयपुर, सितम्बर 30, 2019

संख्या प.1(2)(1)नपा-पंचा/सां.आ./रानिआ/14/3676 :-सां. आ. 117/19 - राजस्थान नगरपालिका (निर्वाचन) नियम, 1994 के नियम 64-क के उप नियम (1) के उपबन्धों के अनुसार राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा इस निमित्त दिए गए साधारण या विनिर्दिष्ट निर्देशों के अधीन रहते हुए नियम 64 के उपबन्ध नियम 46-क के उप नियम (4) में निर्दिष्ट डाक मतपत्रों को प्रतिक्षेपित (नामंजूर) करने के संबंध में लागू होंगे। इस संबंध में आयोग द्वारा आदेश क्रमांक 3157 दिनांक 09.11.99 (सां. आ. 35/99) एवं आदेश क्रमांक 3727/03.09.2014 (सां. आ. 93/14) जारी किए हुये हैं।

राज्य सरकार के स्वायत्त शासन विभाग, राज., जयपुर द्वारा अधिसूचना संख्या एफ 8(जी.ए)() Rules/DLB/19/23179 दिनांक 31.01.2019 के माध्यम से नगरीय निकायों में अध्यक्ष पद का निर्वाचन प्रत्यक्ष रीति से किए जाने हेतु राजस्थान नगरपालिका (निर्वाचन) (संशोधन) नियम, 2019 जारी किए गए हैं। इन संशोधन के नियम 78(6) के अनुसार नियम 64-क सपठित नियम 64 एवं 46-क के उप नियम (4) के प्रावधान अध्यक्षीय पदों के निर्वाचनों में भी लागू होंगे। अतः आयोग द्वारा अपने पूर्व आदेश क्रमांक 3157/09.11.99 (सां. आ. 35/99) एवं आदेश क्रमांक 3727/03.09.2014 (सां. आ. 93/14) को अधिक्रमित करते हुए उक्त नियम के उपबन्धों के अनुसरण में डाक मतपत्रों को प्रतिक्षेपित किए जाने के संबंध में निम्नांकित निर्देश जारी करता है :-

1. रिटर्निंग अधिकारी द्वारा मतगणना प्रारम्भ करने के लिए नियत समय की समाप्ति के पश्चात् प्राप्त लिफाफा-ख (प्ररूप 16-ग) को खोला नहीं जायेगा और ऐसे किसी लिफाफे में अन्तर्विष्ट किसी मत की गणना नहीं की जायेगी।
2. निर्धारित समयावधि में प्राप्त होने वाले लिफाफे को एक-एक करके खोला जायेगा और जैसे ही प्रत्येक लिफाफे को खोला जाए, रिटर्निंग अधिकारी प्रथमतः उसमें अन्तर्विष्ट प्ररूप 16-क में की गई घोषणा की संवीक्षा करेगा। अध्यक्ष एवं सदस्य दोनों पदों के लिए यह प्रक्रिया पृथक-पृथक की जाएगी।
3. यदि प्ररूप 16-क में की गई घोषणा नहीं पायी जाती है या उसे सम्यक रूप से हस्ताक्षरित और अनुप्रमाणित नहीं किया गया है, अर्थात् सारतः त्रुटिपूर्ण है या यदि उसमें यथा प्रविष्ट मतपत्र का क्रम संख्यांक लिफाफा-क (प्ररूप 16-ख) पर पृष्ठांकित क्रम संख्यांक से भिन्न है तो लिफाफा-क

- (प्ररूप 16-ख) को खोला नहीं जायेगा और उस पर समुचित पृष्ठांकन करने के पश्चात् रिटर्निंग अधिकारी उसमें अन्तर्विष्ट मतपत्र को प्रतिक्षेपित (नामंजूर) कर देगा।
4. बिन्दु संख्या-3 के अनुसार प्रतिक्षेपित (नामंजूर) किए गए ऐसे समस्त पृष्ठांकित लिफाफे-क (प्ररूप 16-ख) और उनके साथ प्राप्त प्ररूप 16-क में घोषणा को पुनः लिफाफा-ख (प्ररूप 16-ग) में रखा जाएगा और इस तरह समस्त लिफाफा-ख (प्ररूप 16-ग) को एक पृथक बड़े पैकेट में रखा जाएगा, जिस पर नगरपालिका नाम, अध्यक्ष/वार्ड संख्या यथा स्थिति, गणना की तारीख और उसकी अन्तर्वस्तुओं का संक्षिप्त वर्णन अभिलिखित किया जायेगा। यह प्रक्रिया अध्यक्ष एवं सदस्य दोनों के लिए पृथक-पृथक संपादित की जाएगी एवं दोनों पदों के लिए पृथक-पृथक पैकेट तैयार कर मुद्राबन्द किये जायेंगे।
 5. इसके पश्चात् रिटर्निंग अधिकारी द्वारा प्ररूप 16-क में की गयी उन सभी घोषणाओं को, जो उसने सही पायी हैं, को अध्यक्ष एवं सदस्य दोनों पदों के लिए पृथक-पृथक पैकेट में रखेगा एवं मुद्राबंद किया जाएगा। इसके बाद ही रिटर्निंग अधिकारी द्वारा लिफाफा-क (प्ररूप 16-ख) को खोलना प्रारम्भ किया जायेगा और जिस पर उपरोक्त मद संख्या-4 में विनिर्दिष्ट विशिष्टियां अभिलिखित की जाएगी।
 6. प्ररूप 16-ख (लिफाफा-क) में उन लिफाफों को, जिनके मामले में उपरोक्त मद संख्या-5 के अन्तर्गत कार्यवाही की गई है, अध्यक्ष एवं सदस्यों के लिए पृथक-पृथक एक-एक करके खोला जाएगा और रिटर्निंग अधिकारी हर एक मतपत्र की संवीक्षा करेगा और उस पर अभिलिखित मत की विधिमान्यता का विनिश्चय करेगा।
 7. उपरोक्त मद संख्या-6 के अन्तर्गत संवीक्षा में डाक मतपत्र को प्रतिपेक्षित (नामंजूर) कर दिया जाएगा-
 - (क) यदि उस पर कोई चिह्न (मत को अभिलिखित करने के लिए चिह्न से भिन्न) या लेख है जिससे निर्वाचक की पहचान हो; या
 - (ख) यदि उस पर कोई मत अभिलिखित नहीं है; या
 - (ग) यदि उस पर मत एक से अधिक अभ्यर्थियों एवं किसी एक अभ्यर्थी तथा 'नोटा' (इनमें से कोई नहीं) के पक्ष में दिए गए हैं;
 - (घ) यदि वह बनावटी मतपत्र है; या
 - (ङ) यदि वह ऐसे रूप में क्षत या विकृत है कि असली मतपत्र के रूप में उसकी अनन्यता स्थापित नहीं की जा सकती है; या
 - (च) यदि मत को उपदर्शित करने वाला चिन्ह मतपत्र पर ऐसी रीति से लगा है कि वह बात सन्देहपूर्ण हो जाती है कि मत किस अभ्यर्थी को दिया गया है।
 8. किसी भी अभ्यर्थी अथवा 'नोटा' (इनमें से कोई नहीं) के लिए मतपत्र में निर्दिष्ट स्थान में, जिसे मतदाता अपना मत अभिलिखित करना चाहता है, बालपैन या स्याही से "X" (क्रॉस) का अंकन पर्याप्त होगा।

9. डाक मतपत्र पर अभिलिखित मत को केवल इस आधार पर कि मत को उपदर्शित करने वाला चिन्ह अस्पष्ट है या एक से अधिक बार लगाया गया है, प्रतिक्षेपित नहीं किया जाएगा यदि यह आशय कि मत किसी विशिष्ट अभ्यर्थी अथवा 'नोटा' (इनमें से कोई नहीं) के लिए है, मतपत्र चिन्हित किए जाने के ढंग से स्पष्ट रूप से प्रतीत होता है।
1. रिटर्निंग अधिकारी उन सभी विधिमान्य मतों की, जो डाक मतपत्र द्वारा हर एक अभ्यर्थी अथवा 'नोटा' (इनमें से कोई नहीं) के पक्ष में दिए गए हैं, गणना करेगा। उनके जोड़ को प्ररूप 21 या 21-क, यथास्थिति में परिणाम पत्र में अभिलिखित करेगा और उसे सुनाएगा।
2. तदुपरांत अध्यक्ष एवं सदस्य दोनों पदों के लिए सभी विधिमान्य मतपत्रों और सभी प्रतिक्षेपित (नामंजूर) मतपत्रों के पृथक-पृथक बंडल बनाए जाएंगे और सभी विधिमान्य मतपत्रों और सभी प्रतिक्षेपित (नामंजूर) मतपत्रों को पृथक-पृथक पैकेट (अध्यक्ष एवं सदस्य) में रखा जाएगा, जिन्हें रिटर्निंग ऑफिसर की और ऐसे अभ्यर्थियों, उनके निर्वाचन अभिकर्त्ताओं या गणन अभिकर्त्ताओं की, जो इस पर अपनी मुद्राएं लगाना चाहें, मुद्राओं से मुद्रांकित किया जाएगा। ऐसे मुद्राबंद पैकेटों पर नगरपालिका का नाम, अध्यक्ष या वार्ड संख्या यथा स्थिति, गणना की तारीख और उनकी अन्तर्वस्तुओं का संक्षिप्त वर्णन अभिलिखित किया जाएगा।

आज्ञा से,
शुचि त्यागी,
मुख्य निर्वाचन अधिकारी
एवं सचिव।

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।